विषयवस्तु

पृष्ठ सं.

चयनित संक्षिप्ताक्षरों की सूची **i**

अध्याय I : परिदृश्य और नीतिगत परिवेश **1-5**

परिचय 1

अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के लिए किए गए प्रमुख नीतिगत उपाय 1

दबावग्रस्तता से निपटने के लिए प्रणाली की क्षमता में सुधार हेतु उपाय 1

पर्यवेक्षीय उपाय 2

वित्त की उपलब्धता बढ़ाने और उसके विस्तार संबंधी उपाय 3

अन्य उपाय 4

सहकारी एवं गैर-बैंकिंग खंडों में विनियामकीय एवं पर्यवेक्षीय उपाय 4

बैंकिंग क्षेत्र के लिए भावी दिशा 4

अध्याय II : अनुसूचित वाणिज्य बैंकों का परिचालन और कार्य-निष्पादन **6-15**

समेकित परिचालन 6

चालू और बचत खाता जमारशियां 6

ऋण-जमा अनुपात 7

देयताओं और आस्तियों की परिपक्वता का स्वरूप 7

तुलनपत्रेतर परिचालन 7

एससीबी का वित्तीय निष्पादन 8

आस्तियों और लाभ में बैंक समूह-वार हिस्सा 9

एनपीए की वसूली 9

प्राथमिकताप्राप्त क्षेत्र ऋण 10

प्राथमिकताप्राप्त क्षेत्र उधार प्रमाणपत्र 10

खुदरा ऋण 10

संवेदनशील क्षेत्रों को ऋण 11

एससीबी के स्वामित्व का स्वरूप 11

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक 12

स्थानीय क्षेत्र बैंक 12

ग्राहक सेवा 13

एटीएम की संख्या में वृद्धि 13

एटीएम का विस्तार 13

ऑफसाइट-एटीएम 14

व्हाइट लेबल एटीएम 14

डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड 14

प्रीपेड भुगतान लिखत 15

पृष्ठ सं.

अध्याय III : सहकारी बैंकिंग की गतिविधियां **16-25**

परिचय 16

शहरी सहकारी बैंक 16

तुलन-पत्र से आय-व्यय 16

लाभप्रदता 16

आस्ति गुणवत्ता 17

शहरी सहकारी बैंकों से संबंधित गतिविधियां 18

कोर बैंकिंग समाधान को लागू किया जाना 19

अनुसूचित शहरी सहकारी बैंकों से संबंधित रूझान 19

शहरी सहकारी बैंकों द्वारा प्राथमिकताप्राप्त क्षेत्रों को दिए गए अग्रिम 20

ग्रामीण सहकारी बैंक 20

अल्पावधि ग्रामीण ऋण संस्था - राज्य सहकारी बैंक, जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक (डीसीसीबी) 21

जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंकों से संबंधित गतिविधियां 23

प्राथमिक कृषि ऋण समितियां (पीएसीएस) 23

दीर्घावधि ग्रामीण ऋण 24

राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (एससीएआरडीबी) 24

प्राथमिक सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (पीसीएआरडीबी) 24

अध्याय IV : गैर- बैंकिंग वित्तीय संस्थाएं **26-34**

परिचय 26

अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाएं (एआईएफआई) 26

तुलन-पत्र 26

वित्तीय निष्पादन 27

आस्तियों पर प्रतिलाभ (आरओए) 27

पूंजी पर्याप्तता 28

आस्ति गुणवत्ता 28

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां 28

जमाराशि स्वीकार करने वाली एनबीएफसी (एनबीएफसी-डी) 30

तुलन-पत्र 30

एनबीएफसीडी की समग्र सार्वजनिक जमाराशि 30

वित्तीय निष्पादन 31

एनबीएफसी-डी की अनर्जक आस्तियों (एनपीए) की स्थिति 31

प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण जमाराशि न स्वीकार करने वाली एनबीएफसी (एनबीएफसी-एनडी-एसआई) 31

तुलन-पत्र 31

आस्ति गुणवत्ता 32

प्राथमिक डीलर (पीडी) 32

एकल प्राथमिक डीलरों का वित्तीय निष्पादन 33

एकल प्राथमिक डीलरों की पूंजी पर्याप्तता की स्थिति 33

एनबीएफसी क्षेत्र का समग्र अनुमान 33

पृष्ठ सं.

अध्याय V : वित्तीय समावेशन : नीति एवं प्रगति **35-41**

वित्तीय समावेशन : नीतिगत दृष्टिकोण एवं हस्तक्षेप 35

प्रतिनिधि बैंकिंग की अनुमति प्रदान करना 35

2000 से अधिक जनसंख्या वाले गाँवों में बैंकिंग सेवाएं प्रदान करना 35

2000 से कम जनसंख्या वाले बैंक रहित गाँवों में बैंकिंग आउटलेट खोलना 35

वित्तीय समावेशन की योजनाएं 35

अपने ग्राहक को जानें संबंधी ज़रूरतों में रियायत दी गई 36

हाल की नीतिगत पहल एवं गतिविधियां 36

प्राथमिकताप्राप्त क्षेत्र उधार के लिए संशोधित दिशानिर्देश 36

प्राथमिकताप्राप्त क्षेत्र उधार प्रमाणपत्र (पीएसएलसी) 37

एफआईपी का तीसरा चरण 37

वित्तीय समावेशन के संबंध में मध्यावधि पथ के विषय पर समिति 38

वित्तीय समावेशन सलाहकार समिति (एफआईएसी) 38

5000 से अधिक आबादी वाले गांव,जिनमें अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की शाखाएं नहीं हैं, में बैंकों की शाखाएं खोलने की योजना तैयार करना 38

सूक्ष्म, लघु उद्यमों के लिए ऋण-प्रवाह को संगत बनाना 39

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों का पुनरुद्धार एवं पुनर्वास संबंधी ढांचा 39

एमएसएमई क्षेत्र को वित्त देने हेतु बैंकिंग स्टाफ-सदस्यों की क्षमता -निर्माण के लिए राष्ट्रीय मिशन 39

वित्तीय साक्षरता की पहल 39

वित्तीय साक्षरता केंद्रों (एफएलसी) के कार्य 39

वित्तीय साक्षरता केंद्रों (सीएफएल) की सथापना के लिए प्रायोगिक परियोजना 39

वित्तीय समावेशन और वित्तीय साक्षरता से संबंधित तकनीकी समूह 40

किओस्क परियोजना 40

स्कूल पाठ्यक्रम में वित्तीय शिक्षण का समावेश 40

भावी दिशा 40

वित्तीय साक्षरता स्तर में सुधार लाना 40

बीसी मॉडल को बढ़ावा देना 40

ऋण सलाहकारों का प्रमाणन 41

पृष्ठ सं.

चार्ट की सूची

2.1	चुनिंदा बैंकिंग एग्रिगेट्स में वृद्धि की प्रवृत्ति	6
2.2	बैंक-समूह वार अग्रिमों में वृद्धि	6
2.3	एससीबी की कासा जमाराशियों में वृद्धि	6
2.4	बकाया सी-डी अनुपात की प्रवृत्ति (31 मार्च 2016 की स्थिति)	7
2.5	एससीबी की चुनिंदा देयताओं/आस्तियों की परिपक्वता का स्वरूप	7
2.6	एससीबी की आस्तियों और देयताओं की परिपक्वता के स्वरूप में प्रवृत्ति	7
2.7	एससीबी की तुलनपत्रेतर देयताओं में वृद्धि	7
2.8	आय और व्यय की चुनिंदा मदों में वृद्धि	8
2.9	एससीबी का वित्तीय निष्पादन	8
2.10	बैंकिंग क्षेत्र की कुल आस्तियों और लाभ में बैंक-समूह वार हिस्सा	9
2.11	प्राथमिकताप्राप्त क्षेत्र ऋण में वृद्धि की प्रवृत्ति	10
2.12	खुदरा ऋणों की संरचना (मार्च, 2016 के अंत में)	10
2.13	खुदरा ऋणों में वृद्धि	11
2.14	संवेदनशील क्षेत्रों को ऋण में वृद्धि	11
2.15	आरआरबी का वित्तीय निष्पादन	12
2.16	एलएबी की आस्तियों पर प्रतिलाभ और निवल ब्याज मार्जिन	12
2.17	बैंक समूह-वार प्रमुख शिकायत के प्रकारों का ब्योरा (2015-16)	13
2.18	जनसंख्या समूह-वार प्राप्त शिकायतों का विभाजन	13
2.19	एटीएम की संख्या में वृद्धि	13
2.20	एटीएम का भौगोलिक विस्तार	14
2.21	ऑफ-साइट एटीएम का हिस्सा	14
2.22	डेबिट और क्रेडिट कार्ड में प्रवृत्ति	14
2.23	बैंक-समूहों का क्रेडिट/ डेबिट कार्ड में हिस्सा	15
2.24	प्री-पेड लिखतों की प्रगति (मूल्य)	15
3.1	भारत में सहकारी ऋण संस्थानों की संरचना (31 मार्च 2016 की स्थिति के अनुसार)	16
3.2	शहरी सहकारी बैंकों की कुल संख्या और आस्तियों में वृद्धि	16
3.3	शहरी सहकारी बैंकों की लाभप्रदता के चुनिंदा संकेतक	17
3.4	शहरी सहकारी बैंकों के आय एवं व्यय - घटबढ़ प्रतिशत में	17
3.5	शहरी सहकारी बैंकों की अनर्जक आस्तियां	17
3.6	आस्तियों, अनर्जक आस्तियों एवं प्रावधानों में वृद्धि	17

पृष्ठ सं.

3.7	जमाराशि एवं अग्रिमों के आकार के आधार पर शहरी सहकारी बैंकों का वितरण	18
3.8	ए श्रेणी की रेटिंग वाले शहरी सहकारी बैंकों का हिस्सा (संख्या एवं कारोबार के आकार के अनुसार)	18
3.9	शहरी सहकारी बैंकों द्वारा एसएलआर निवेश की वृद्धि दर में परिवर्तन	19
3.10	कुल आस्तियों में अनुसूचित एवं गैर-अनुसूचित शहरी सहकारी बैंकों का हिस्सा	19
3.11	शहरी सहकारी बैंकों के लाभप्रदता संकेतक (प्रकार के अनुसार)	20
3.12	शहरी सहकारी बैंकों द्वारा दिए गए कुल ऋण के प्रतिशत के रूप में चुनिंदा प्राथमिकताप्राप्त क्षेत्रों को दिए गए ऋण का वितरण	20
3.13	शहरी सहकारी बैंकों द्वारा प्राथमिकताप्राप्त कमजोर तबकों को दिए गए अग्रिमों का प्रतिशत	20
3.14	राज्य सहकारी बैंकों के तुलन पत्र के चुनिंदा संकेतक	21
3.15	प्राथमिक कृषि ऋण समिति के बकाया ऋण में वृद्धि	23
3.16	सदस्यता एवं सदस्यों की तुलना में उधारकर्ता अनुपात में हिस्सा	23
3.17	लाभ एवं हानि में प्राथमिक कृषि ऋण समिति का प्रतिशत (अखिल भारतीय)	23
3.18	लाभ एवं हानि में रहने वाली प्राथमिक कृषि ऋण समितियों का प्रतिशत - क्षेत्रीय स्तर (31 मार्च 2015 की स्थिति के अनुसार)	24
3.19	पीसीएआरडीबी की कुल देयताओं और आस्तियों में प्रतिशत घट-बढ़ की तुलना में संघटकों का प्रतिशत योगदान	24
4.1	एआईएफआई की आस्तियों पर औसत प्रतिलाभ	27
4.2	एआईएफआई की जोखिम (भारित) आस्तियों की तुलना में पूंजी अनुपात (मार्च अंत की स्थिति)	28
4.3	एआईएफआई के निवल एनपीए/निवल ऋण (मार्च की स्थिति)	28
4.4	एनबीएफसी और बैंकों के एनपीए (सकल अग्रिम अनुपात की तुलना में सकल एनपीए) (मार्च अंत की स्थिति)	29
4.5	एनबीएफसी-डी की समग्र सार्वजनिक जमाराशियां	30
4.6	एनबीएफसी-डी का वित्तीय निष्पादन	31
4.7	एनबीएफसी-डी के सकल और निवल एनपीए	31
4.8	एनबीएफसी-एनडी-एसआई का एनपीए अनुपात	32
4.9	एनबीएफसी-एनडी-एसआई का वित्तीय निष्पादन	32
4.10	एकल पीडी का वित्तीय निष्पादन	33
4.11	एकल पीडी की पूंजी और जोखिम भारित आस्ति स्थिति	33

सारणियों की सूची

2.1	एससीबी की आस्तियों पर प्रतिलाभ एवं इक्विटी पर प्रतिलाभ (बैंक समूह-वार)	8
2.2	एससीबी विभिन्न चैनलों के जरिए वसूले गए एनपीए	9
2.3	पीएसबी विभिन्न चैनलों के जरिए वसूले गए एनपीए	9
2.4	एआरसी की संख्या और बैंकों से अर्जित आस्तियां	10

		पृष्ठ सं.
3.1	ग्रामीण सहकारी संस्थाओं की रूपरेखा (31 मार्च 2015 की स्थिति के अनुसार)	21
3.2	ग्रामीण सहकारी बैंकों की मजबूती के संकेतक (अल्पावधि)	22
3.3	ग्रामीण सहकारी बैंकों की मजबूती के संकेतक (दीर्घावधि)	25
4.1	वित्तीय संस्थाओं की देयताएं और आस्तियां	26
4.2	अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाओं के वित्तीय निष्पादन	27
4.3	एनबीएफसी के स्वामित्व का स्वरूप (कंपनियों की संख्या)	29
4.4	एनबीएफसी-डी का समेकित तुलन-पत्र (मार्च अंत की स्थिति)	30
4.5	एनबीएफसी-एनडी-एसआई का समेकित तुलन-पत्र (मार्च अंत की स्थिति)	31
5.1	वित्तीय समावेशन योजना के अंतर्गत हुई प्रगति- सितंबर 2016 की स्थिति के अनुसार	41

एससीबी के तुलन-पत्रों के साथ-साथ आय और व्यय के विस्तृत आंकड़े 'भारत में बैंकों से संबद्ध सांख्यिकीय सारणी 2015-16' (www.rbi.org.in) पर उपलब्ध हैं।